वन विज्ञान केन्द्र महाराष्ट्र में
उन्नत नर्सरी तकनिक, वृक्ष सुधार, कृषि वानिकी एवं वन रोपणियों / वृक्षारोपणों के कीटों तथा रोगों का समन्वित प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा दिनाँक 23 एवं 24 जनवरी 2017 को जालना में स्थित वन विज्ञान केन्द्र महाराष्ट्र में "उन्नत नर्सरी तकनिक, वृक्ष सुधार, कृषि वानिकी एवं वन रोपणियों / वृक्षारोपणों के कीटों तथा रोगों का समन्वित प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का का उदघाटन श्री गि. रे. पुंजे उप वन संरक्षक, औरंगाबाद द्वारा किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान वन रोपणियों तथा वृक्षारोपणों में लगने वाले विभिन्न कीट तथा रोग एवं उनका प्रबंधन, वृक्ष सुधार के विभिन्न उपायो तथा महाराष्ट्र राज्य हेतु उपयोगी कृषि वानिकी के माडल पर व्याख्यान एवं प्रदर्शन किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों तथा महाराष्ट्र वन विभाग के मैदानी अमले के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

कार्यक्रम डा. के सी. चौधरी द्वारा मध्य भारत की कुछ महत्वपूर्ण औषधीय पादप प्रजातियाँ एवं उनके उपयोग विषय पर व्याख्यान से आरंभ हुआ। डा. चौधरी नें मध्य भारत के महत्वपूर्ण औषधीय पौध प्रजातियों समेत अकाष्ठ वन प्रजातियो के बारे में भी जानकारी प्रशिक्षणार्थियों को प्रदान की। कार्यक्रम में डा. पी. बी. मेश्राम ने वन रोपणियों में कीटों का एकीकृत प्रबंधन विषय पर व्यख्यान देते हुए विभिन्न जैविक, रासायनिक

तथा यांत्रिक विधियों का समन्वित प्रयोग कर कम लागत में हानिकारक कीटों के नियंत्रण हेतु पर्यावरणानुकूल विधियों के प्रयोग संबधित प्रशिक्षण प्रदान किया। डा. आर.के. वर्मा नें इमारती काष्ठ को कवकों से होने वाली हानि तथा उनके प्रबंधन पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डा. नसीर मोहम्मद नें वृक्ष सुधार हेतु विभिन्न आनुवांशिकी उपायो की जानकारी देते हुए

स्रोत | वन विस्तार प्रभाग

उच्च कोटि के बीजों की आपूर्ति सुनिशिचत करने हेतु बीज फलोद्यान की स्थापना एवं व्यवस्थापन पर भी प्रशिक्षाणर्थियों को आवश्यक जानकारी प्रदान की।

डा. ननीता बेरी नें उपलब्ध भूमि की उत्पादकता बढाने तथा सतत् आय प्राप्त करने हेतु कृषि वानिकी एवं फार्म वानिकी को अपनाने पर बल देते हुए महाराष्ट्र राज्य हेतु उपयोगी कृषि वानिकी के माडल विषयो की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम हेतु निर्धारित विषयो के प्रशिक्षण उपरांत उपस्थित प्रशिक्षाणर्थियों के साथ समूह चर्चा के माध्यम से विभिन्न विषयों के संबध में उनकी समस्यायों को सुनकर उसके निराकरण के सुझाव उन्हे दिए गए। उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन विभाग के मैदानी अमले के 51 कर्मचारियों तथा 18 किसानों नें भाग लिया। अंत में प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम संबधि विषयों पर उनकी प्रतिक्रिया भी प्राप्त की गई। सभी ने कार्यक्रम को अच्छा तथा उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अथिति श्री मंडे, मुख्य वन संरक्षक औरंगाबाद द्वारा प्रशिक्षाणर्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

स्रोत | वन विस्तार प्रभाग